भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 316

02 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय : एआई-आधारित मानसून पूर्वानुमान योजना

316. श्री सुरेश कुमार कश्यप:

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः

श्री दुलू महतोः

डॉ. राजेश मिश्राः

श्री राजकुमार चाहरः

श्री दिनेशभाई मकवाणाः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा क्रियान्वित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मानसून पूर्वानुमान योजना का ब्यौरा क्या है और इस योजना के अंतर्गत कुल कितने किसान लाभान्वित हुए हैं;

(ख) उक्त योजना में प्रयुक्त एआई मॉडल, साझेदार संगठनों और तत्संबंधी सटीकता के मूल्यांकन के मानदंडों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या खरीफ-प्रधान क्षेत्रों में फसल नियोजन और जोखिम प्रबंधन के संबंध में इस कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी निष्कर्ष क्या हैं;

(ङ) क्या सरकार सीधी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के उन किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है जिन्हें बेमौसम बारिश के कारण धान, उड़द, मूंग और अरहर की फसलों को काफी नुकसान हुआ है;

(च) यदि हां, तो इस संबंध में कितने किसानों की पहचान की गई है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) उक्त योजना के अंतर्गत और अधिक राज्यों को शामिल करने तथा एम-किसान जैसे वर्तमान कृषि सलाहकार मंचों के साथ एआई-आधारित पूर्वानुमान को एकीकृत करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (छ): खरीफ 2025 के लिए भारत के 13 राज्यों के कुछ हिस्सों में कृषि संबंधी स्थानीय मानसून की शुरुआत के पूर्वानुमानों के लिए डेवलपमेंट इनोवेशन लैब-इंडिया के सहयोग से एक एआई-आधारित पायलट आयोजित किया गया था। इस कार्य हेतु एक ओपन सोर्स से बने मॉडल का उपयोग किया गया था, जिसमें गूगल का न्यूरलजीसीएम, यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स

(ईसीएमडब्ल्यूएफ) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फोरकास्टिंग सिस्टम (एआईएफएस), और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से 125 वर्षों का ऐतिहासिक वर्षा डेटा शामिल था।

संभाव्यता पूर्वानुमानों ने केवल मानसून की स्थानीय शुरुआत की भविष्यवाणी की जाती है, जो फसलों की बुआई के समय निर्णय लेने के लिए आवश्यक है। स्थानीय मानसून शुरुआत के पूर्वानुमान, एम-किसान पोर्टल के माध्यम से 13 राज्यों के 3,88,45,214 किसानों को पांच क्षेत्रीय भाषाओं- हिंदी, ओडिया, मराठी, बांग्ला और पंजाबी में एसएमएस के माध्यम से भेजे गए थे।

पूर्वानुमान भेजने के पश्चात किसान कोल सेंटर के माध्यम से मध्य प्रदेश तथा बिहार में दूरभाष द्वारा किसान फीडबैक सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। सर्वेक्षण से पता चला कि 31-52% किसानों द्वारा मुख्य रूप से भूमि की तैयारी और बुआई के समय में परिवर्तन के माध्यम से अपने रोपण से संबंधित निर्णयों को समायोजित किया, जिसमें फसल और इनपुट का विकल्प शामिल था।

*****